

# JÁ JSEM VZKŘÍŠENÍ A ŽIVOT

Tato slova o sobě řekl Ježíš u hrobu svého přítele Lazara. Řekl ještě jinou důležitou větu, která je velkou nadějí pro každého z nás. Abys ji vyluštil, musíš si nejdříve přečíst úryvek Písma o Lazarově vzkříšení (*Jan 11,1-44*).

jméno vesnice, kde bydlel Lazar  
i jeho sestry Marie a Marta (*Jan 11,1*)

24	2	1	7	3	5	2
----	---	---	---	---	---	---

hlavní město, blízko něhož Lazara  
vesnice ležela (*Jan 11,18*)

9	2	8	14	18	16	4	10	27
---	---	---	----	----	----	---	----	----

Lazar byl Ježíšův ...  
(*Jan 11,11*)

6	17	25	1	2	4
---	----	----	---	---	---

lidé, kteří byli u Marie v domě  
a těšili ji, byli ... (*Jan 11,31*)

11	5	20	10
----	---	----	----

Lazarův hrob měl podobu ...  
(*Jan 11,38*)

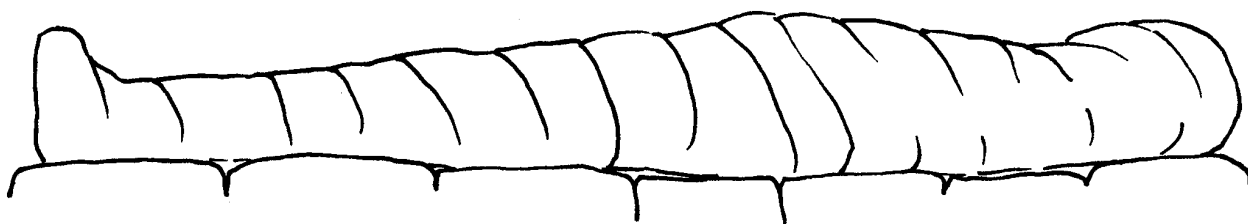
9	2	19	22	15	3	21
---	---	----	----	----	---	----

kolikátý den ležel Lazar v hrobě  
(*Jan 11,39*)

13	1	23	8	1	26
----	---	----	---	---	----

materiál, z něhož byly pruhy  
na Lazarových nohou a ruce (*Jan 11,44*)

6	4	7	1	3	12
---	---	---	---	---	----



## TAJENKA:

22	16	11	20	26
----	----	----	----	----

,

22	20	12
----	----	----

11	5	9	2
----	---	---	---

16	23	21	17	25
----	----	----	----	----

23	2
----	---

27	3	2
----	---	---

,

3	2	14	27	17	2
---	---	----	----	----	---

3	16	23	21	22	15
---	----	----	----	----	----

!